<u>पत्र सूचना शाखा</u>

<u>सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0</u>

<u>राज्यपाल ने "15वें इण्डो-यूएस वर्कशाप आन फ्लो साइटोमैट्री" का किया उद्घाटन</u>

लखनऊः 29 अक्टूबर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज बाबासाहेब भीमराव अम्बेदकर विश्वविद्यालय के एप्लाइड सांइस विभाग द्वारा आयोजित 15वें इण्डो-यूएस वर्कशाप आन फ्लो साइट्रोमैटी का उद्घाटन करते हुए कहा कि बाबासाहेब अम्बेदकर की उपलब्धियाँ महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि मिलकर साथ काम करने से देश का बेहतर विकास हो सकेगा। जहाॅ तक प्रजातांत्रिक विकास की बात है तो नरेन्द्र मोदी इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। जो ज्ञान और अनुभव का सामंजस्य बना पाते हैं वही परिवर्तन करते हैं।

राज्यपाल ने अपने अनुभव पर चर्चा करते हुए कहा कि जब वें कैंसर से पीड़ित हुए तब उन्हें चिकित्सा विज्ञान में हुई तकनीकी विकास का ज्ञान नहीं था। वें स्वयं कैंसर से जूझ रहा थे और परिवार भी नर्वस हो गया था। टाटा मेमोरियल कैंसर हास्पिटल, मुम्बई के डाॅ0 नाईक जो पेशे से वैज्ञानिक भी थी, ने समझाया कि तकनीकी विकास ने कैंसर जैसी लाइलाज बीमारी को भी आसान बना दिया है। आपका जीवन सुरक्षित है। अपनी बीमारी की चर्चा करते हुए राज्यपाल ने बताया ये सन् 1995 की बात है। बीस साल पहले से अब तक और तरक्की हुई है। विज्ञान वह जादू है, जो कैंसर को जड़ से उखाड़ फेंक रहा है।

श्री नाईक ने कहा कि बाबासाहेब भीमराव अम्बेदकर विश्वविद्यालय ने काफी प्रगति की है। उन्होंने कहा कि युवा छात्रों में वैज्ञानिक सोच पैदा करने से ही हमारा देश प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकेगा।

संगोष्ठी में यू0एस0एस0 के वैज्ञानिक अवतार कृष्णन ने कैंसर बीमारी तथा उसके इलाज के विषय पर विस्तृत जानकारी दी। वाशिंगटन विश्वविद्यालय के डायरेक्टर ब्रेट वुड ने रक्त कोशिकाओं की संरचना और रक्त कैंसर पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि भारत में महिलाओं में बे्रस्ट कैंसर सबसे गहन मुद्दा है। इसकी रोकथाम बहुत जरूरी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बाबासाहेब अम्बेदकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 सोबती ने विश्वविद्यालय के विकास हेतु आगामी योजनाओं पर चर्चा की।

इससे पूर्व राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में नीम का पौधा भी रोपित किया। इस अवसर पर पूर्व सासंद लालजी टण्डन, वैज्ञानिक एच0 कृष्णमूर्ति, सुश्री रेखा गौर, एलन सालुक, स्काॅट क्रैम, विलियम जी0 टेलफोर्ड, जोसिया मैसियोरोवास्की एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकगण सहित बड़ी संख्या में विद्वतजन भी उपस्थित थे।